

08 अगस्त, 2025  
श्रावण, शुक्रवार, चतुर्दशी  
संवत् 2082  
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

\* ओडिशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

रांची

शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 289



ADMISSION OPEN

KOKAR RIMS ROAD,  
TUNKI TOLA, RANCHI

7903079507, 8092334348

FLORENCE  
(A Unit of Haji Abdur Razzaque Educational Society)

ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING

M.Sc. Nursing  
Post Basic B. Sc. Nursing  
B.Sc. Nursing

GNM (General Nursing And Midwifery)  
ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PA MEDICAL SCIENCE

BMLT  
DMLT

OT ASSISTANT

ECG

OPHTHALMIC ASST.

Critical CARE (ICU)

RADIO-IMAGING

ANESTHESIA TECH.

DRESSES

COLLEGE OF PHARMACY

D-PHARM

B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls

E-mail: fnsniriba@gmail.com

Website: www.florenceinstirba.com

न्यूज रील्स

जस्टिस वर्मा के  
खिलाफ महाभियोग  
नहीं रुकेगा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की विधियों को खारिज कर दिया। इस याचिका को खारिज कर दिया जाएगा। जस्टिस वर्मा ने केश कांड को लेकर उनके खिलाफ की विधियों की अवधारणा की चुनौती दी थी। दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा ने उनके पार से शरद भारत जले नोट मामले में अंतरिक्क कर्तव्यी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद करने की अपील की थी। शिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को खिलाफ वर्मा की विधियों को खारिज कर दिया जाएगा।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की विधियों को खारिज कर दिया जाएगा। जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर दस्तावेज़ किये गये। वहीं जस्टिस वर्मा में 54 सांसदों ने जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दिया जा चुका है।

मानसून सत्र के दौरान लोकसभा के 152 सांसदों ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर दस्तावेज़ किये। वहीं राज्यसभा में 54 सांसदों ने जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्पण किया। हालांकि अब तक किसी भी सदन में इन नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया है।

# आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



## सीएम का गुरुजी की याद में भावुक पोर्ट: नेमरा की धरती गवाह है उनके संघर्ष की

आजाद सिपाही संवाददाता

गोला। झारखंड की माटी आज एक ऐसी पीड़ा से भरी हुई है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है। दिशोम गुरु शिव सोरेन के निराम से निर्क एक युग का अंत हुआ है, बल्कि झारखंड की आमता का एक अनमोल अंश भी विदा हो गया। वे सिर्फ एक जननायक नहीं थे, एक विचार थे, एक आंदोलन थे और उस संघर्ष की जीती-जागती मिसाल थे, जिसे झारखंड को उसकी पहचान दिलायी। इस अपूरणीय क्षति का सबसे गहरा असर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर पड़ा है। एक बेटा, जिसने अपने पिता को महज एक अधिकारक के रूप में नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, एक आदर्श और एक क्रांतिकारी विरासत के रूप में जिया, उसके लिए यह सिर्फ व्यक्तिगत था। अपने पैतृक गांव नेमरा में फिलात पुरु धर्म का पालन करते हुए सीएम हेमंत सोरेन को गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर एक संघर्ष की गवाही है। उन्होंने अपने भावुक पोर्ट साजा किया, जिसमें उन्होंने पिता शिव सोरेन और दादाजी सोना सोबरन मांझी को वाद किया। अपनी तस्वीर के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट



साजा की, वह शब्दों से नहीं, आत्मा से लिखी गयी थी। उन्होंने अपने पिता दिशोम गुरु और दादा जी का शहीद सोबरन मांझी को वाद करते हुए लिखा, झारखंड सोना सोबरन मांझी को वाद करते हुए लिखा, नेमरा की वह क्रांतिकारी और वीर धर्म, दादाजी की शहादत और बावाजी के अथाह समंदर है।

अपने पैतृक गांव नेमरा में फिलात पुरु धर्म का पालन करते हुए सीएम हेमंत सोरेन को गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर एक संघर्ष की गवाही है। उन्होंने अपने भावुक पोर्ट साजा किया, जिसमें उन्होंने पिता शिव सोरेन और दादाजी सोना सोबरन मांझी को वाद किया। अपनी तस्वीर के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट

वीर शहीद सोबरन मांझी अमर रहें! साथ ही उन्होंने झारखंड के निर्माता और अपने पिता दिशोम गुरु शिव सोरेन को भी वाद करते हुए लिखा, झारखंड राज्य निर्माता वीर दिशोम गुरु शिव सोरेन अमर रहें!

यह कोई साधारण पोर्ट नहीं था। यह पौधियों के संघर्ष की आवाज थी। यह उस बेटे की पुकार ही, जो आज भी अपने पिता की छाया में खुद को ढूँढ़ रहा है। हेमंत सोरेन जैसे अंकेले पड़ गये हैं, लेकिन उनके भीतर एक वचन है, एक आग है, जो अपने पिता और दादा के अपूर्ण सपनों को पूरा करने का संकल्प लिये हुए है।

## राज्यपाल संतोष गंगवार पहुंचे नेमरा, दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

गोला (आजाद सिपाही)।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार गुरुवार के दिशोम गुरु शिव सोरेन के पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। उन्होंने दिशोम गुरु शिव सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उड़वे भावभीनी श्रद्धांजलि दी और शोक-संतास परिज्ञानों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और परिवार के अच्युत सदस्यों को डाक्स बधाया। साथ ही आमवासियों से भी मुलाकात कर दुख की इस घट्टी में अपनी सहभागिता प्रकट की। राज्यपाल ने कहा कि वे और दिशोम गुरु शिव सोरेन लोकसभा में लैवे समय तक साथ कार्य करते रहे, जिससे उन्हें निकटता से जानने और समझने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि शिव सोरेन का वाद करते रहे, साथी जिवारों का, संघर्षों का और झारखंड के सामनों का विचार करते रहे, जो आज भी अपने पिता की छाया में खुद को ढूँढ़ रहा है। यह कोई राज्यपाल का संदेश नहीं बताता, जिसने इस दृश्य की दृष्टि से भी जागरूक रहा है। उन्होंने कहा कि वे और दिशोम गुरु शिव सोरेन का अवसर प्राप्त करते रहे, जो संदेश नहीं बताता, असमता, अधिकार और समर्पित रहा। ये जनसेवा और संकल्प लिये हुए हैं।

परिवार को इस दुख की घटी में संबल प्रदान करने की कामना की। उन्होंने इस सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

## प्रधानमंत्री की दो टूक: पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं कीमत घुकाने को तैयार : मोदी

- भारत से नेजे जानेवाले सामानों पर 25 फीसदी टैरिफ लागू
- भारतीय कृषि के क्षेत्र में प्रवेश करना चाहता है अमेरिका



**कृषि और डेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है अमेरिका**  
दरअसल अमेरिका भारत के कृषि और पशुपालक क्षेत्र में अपनी शर्तों के साथ प्रवेश चाहता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करता। अमेरिका की अनुमति निरामा है और भारतीय बाजार में सस्ता भी पड़ सकता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस क्षेत्र में करोड़ों छोटे और बड़े पशुपालकों द्वारा उत्पादन होता है। अमेरिका भारत को डेयरी क्षेत्र में अपनी शर्तों के साथ चाहता है। अमेरिका की अनुमति निरामा है और भारतीय बाजार में सस्ता भी पड़ सकता है। भारत राजनीति और आरोपी अमेरिका की विधियों को खारिज कर दिया जाएगा।

50% टैरिफ के लिए एक दिन योगदान किसी एक युग्म या किसी एक क्षेत्र तक समीक्षित नहीं होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ योगदान किसी एक दिन योगदान किसी एक क्षेत्र तक समीक्षित नहीं होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ योगदान किसी एक दिन योगदान किसी एक क्षेत्र तक समीक्षित नहीं होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ योगदान किसी एक दिन योगदान किसी एक क्षेत्र तक समीक्षित नहीं होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ योगदान किसी एक दिन योगदान किसी एक क्षेत्र तक समीक्षित नहीं होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ योगदान किसी एक दिन योगदान किसी एक क्षेत्र तक समीक्षित नहीं होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ योगदान किसी एक दिन योगदान किसी एक क्षेत्र तक समीक्षित नहीं होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ योगदान किसी एक दिन योगदान किसी एक क्षेत्र तक समीक्षित नहीं होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ योगदान किसी ए

## नेमरा में सीएम हेमंत सोरेन ने निभायी परंपरा, 'तीन कर्म' की रस्म पूरी



गोला (आजाद सिपाही)। दिवंगत दिशोम गुरु शिवू सोरेन का 'तीन कर्म' कार्यक्रम संथाली रीति-रिवाज के अनुसार गुरुवार को हुआ। गोला प्रखंड के नेमरा स्थित पैतृक गांव में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी

कल्पना मुरूं सोरेन, लूपी सोरेन, बसंत सोरेन, सीता सोरेन समेत परिवार के अन्य लोगों ने तीन कर्म की रस्म अदा की। घर से थोड़ी दूर स्थित पीपल के पेड़ के नीचे घट बैठाया गया। नाई द्वारा नाखून कटवा कर

छुटका भिटाया गया। घर के बगल में स्थित तालाब ने तीन कर्म का स्नान किया गया। बताया गया कि दिवंगत गुरुजी की अस्थियां तुलसी पिंडा में रखी गयी हैं। तीन कर्म कार्यक्रम को लेकर प्रशासन सक्रिय रहा।

## नेमरा की गलियों में निकले सीएम हेमंत सोरेन बेटा बनकर नेमरा का दर्द समझा रहे हैं हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। दिशोम गुरु शिवू सोरेन श्राद्ध कर्म के तीसरे दिन सीएम हेमंत सोरेन देर शाम करीब 7:30 बजे अचानक नेमरा की गलियों में निकल पड़े। हाथ में टॉर्च लेकर सीएम गलियों के चारों ओर देख रहे थे। सीएम पूरे सादगी से गलियों को निहारते हुए अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उनका सादगी से ऐसा लग रहा था कि नेमरा की गलियों में कोई सीएम नहीं बल्कि उनका लाल अपने बचपन को ढूँढ रहा हो। सीएम हेमंत सोरेन नेमरा वासियों को भी निहार रहे थे और उनके अंदर छुपे दर्द को भी समझने का प्रयास कर रहे थे। नेमरा के उन गलियों को भी नजदीक से देखा जाना उन्होंने बचपन बिताया।

**दिशोम गुरु शिवू सोरेन के श्राद्ध कर्म की खुद कमान संभाल रहे सीएम हेमंत सोरेन**



### नेमरा की सड़क दुरुस्त करने का निर्देश

सीएम जब नेमरा के गलियों में निकले तो सड़क पर कई जाह बरसात के पानी के साथ-साथ निरियों का पानी का भी जमाव देखने को मिला। जिसे देख उन्होंने निर्देशित किया कि सड़कों को दुरुस्त करें। साथ है दूर सुविधा पर विशेष खाल स्खलन का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि आगे वाले लोग और नेमरा वासियों को कोई परेशानी ना हो इसका पूरा खाल रखें।



दिशोम गुरु शिवू सोरेन का श्राद्ध कर्म को बेहतर ढंग से संपन्न करने को लेकर सीएम हेमंत सोरेन खुद छोटी-छोटी बातों का खाल रख रहे हैं। जिसके कारण ही वे लगातार नेमरा और उसके आसपास के इलाकों का भ्रमण कर रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं कि कहां पर कौन से प्रोटोकॉल का ध्यान रखना है।

## दिशोम गुरु का जीवन एक अंतर्रीन किताब : केशव महतो कमलेश कांग्रेस भवन में शोक सभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दिशोम गुरु शिवू सोरेन के निधान पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय कांग्रेस भवन में शोक सभा का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में गुरुजी को आयोजित की गयी। सभा में गुरुजी के चित्र पर नेता और कार्यकर्ताओं ने माल्यांपण कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि शिवू सोरेन का जीवन एक अंतर्रीन किताब की तरह है जिसके पन्नों को जितना पलटा जायेगा उतनी ही संघर्ष की गाथाएं मिलेंगी। आदिवासी समुदाय के अस्मिता हक अधिकार के लिए उन्होंने युवावस्था से ही संघर्ष किया। गुरुजी ने झारखंडवासियों के अधिकार के लिए झारखंड अलग राज्य के अंदोलन को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया और अंदोलन को धारादार बनाया। हर जाति का समुदाय को अंदोलन से जोड़ा इसका प्रतिफल अलग राज्य निर्माण के रूप में मिला। जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए संदेव संघर्षरत और प्रयत्नशील रहने वाले गुरुजी ने उनके महत्व से आम लोगों को जागरूक किया।



भारत रत्न से सम्मानित करे केंद्र सचिव : उन्होंने कहा कि गुरुजी के त्याग बलिदान और समाज में योगदान के लिए केंद्र सचिव को उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से मांग किया कि गुरुजी के नाम से उनका प्रतीप यात्रा ने कहा कि गुरुजी के व्यक्तिगत की चर्चा की कोई सीमा नहीं हो सकती है। झारखंड की जनता सदैव उनका झरणी रहेगी। कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यात्रा ने कहा कि गुरुजी के व्यक्तिगत की चर्चा की कोई सीमा नहीं हो सकती है। झारखंड की उन्होंने ने सिर्फ परिकल्पना की बल्कि संघर्षों से उसे मुकाम तक पहुँचाया, जिन उद्देश्यों को लेकर उन्होंने अपने जीवन काल में संघर्ष किया।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पासवा ने दिशोम गुरु की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग राज्य सरकार से की है। इसे लेकर पासवा का प्रतिनिधिमंडल बहुत जल्द मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिक्षा मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू से भावी पंडियां प्रेरणा लेंगी। इसे लेकर पासवा के प्रदेश महासचिव नीरज कुमार दुबे ने गुरुजी को लेकर स्कूली बच्चों को दिशोम गुरु शिवू सोरेन के जीवन, अंदोलन, आदिवासी हिंदों के लिए किये गये संघर्ष और उनके राजनीतिक योगदान की विस्तार से जानकारी दी।

## पाठ्यक्रम में शामिल हो दिशोम गुरु की जीवनी : आलोक दुबे





# हजारीबाग/कोडरमा



सीएस ने किया इचाक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग के सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार ने गुरुवार को इचाक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल के सभी बाईं का निरीक्षण किया और चिकित्सा प्रभारी डॉ मृत्युंजय कुमार को आदेश दिया। बीस सूटी अध्यक्ष मनोहर राम और उप प्रमुख सर्वेक्षण कुमार ने अस्पताल के कई समस्याओं से अवगत कराया। भौंके पर बीपीएम अनीता तिकी, केमिस्ट रमेश गुप्ता समेत कई उपस्थित थे।

**बिजली की चपेट में आने से मवेशी की मौत**

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नयाटां पंचायत के विश्रामपुर गांव में जिली की चपेट में आने से हीरामन महातो के एक मवेशी की मौत हो गयी। इस घटना के बाद से गांव में जिली विभाग की लापरवाही को लेकर आक्रमण है। हीरामन महातो ने बताया कि उनके परिवार की इसी मवेशी पर निर्भर थी, इसीले मातो ने उन्हें भारी अर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया।

**ब्रह्माकुमारी बहनों ने पीड़िजे और अन्य लोगों को रक्षा सूत्र बांधे**

कोडरमा (आजाद सिपाही)। ब्रह्माकुमारीजन संस्थान सहाना रोड, बड़कागांव के द्वारा ब्रह्माकुमारी बहनों ने प्रधान जिला एवं सत्र व्यायामीश कोडरमा बालकृष्ण तिवारी के आवास पर पहुंचकर रक्षाबंधन कार्यक्रम मनाया एवं उनके कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर एवं आम स्मृति का स्मृति चिन्ह भी भंट किया। मौके पर दंडाविधि शुरू करने की अनियन्त्रित सुनील, डोमचांव थाना प्रभारी और प्रमात्रकर्ता बीड़ीओ भोला पांडे, महामंडलेश्वर सुखेंद्र महात, समाजसेवी बबूल वैधिरी, मेजर विधान, पुलिस, डॉ रमन, डॉ गणेश, मनीष को भी रक्षा सूत्र कलाई पर बांधकर दीर्घार्थी होने की परमात्मा से भवाना रखा। उपस्थित सभी लोगों को इश्वरीय प्रसाद और परमात्मा का स्मृति चिन्ह भंट किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वी के अनीता दीपी, वी के आरती बहन, वीके संजय भाई की बेटीं माता उपस्थित हैं।

**प्रखंड विकास पदाधिकारी का औचक निरीक्षण**

मरकचो (आजाद सिपाही)। ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण दिवस पर आंगनबाड़ी के संख्या 211 जगदीश्वर एवं चोपानीही रिस्थित केंद्र संख्या 207 का निरीक्षण प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महातो ने गुरुवार को नियमिती की इकाइयों का विद्यालय बांधकर एवं धारा नाल टीकाकरण किया गया। केंद्र में बच्चों की उपस्थिति कम पारी गयी, जिस पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने खेद जताया। प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा ग्राम मॉनिटरिंग उपकरण, एमसीपी कार्ड, शौचालय, टीएचआर की जांच की गयी। नियमिती के द्वारा स्वास्थ्यगत प्रसव की अनिवार्यता पर जरूर दिया गया। गर्भवती महिलाओं को संस्थान प्रसव के लिए नवीनता दी गयी, तिक्ति वे नवेश यादव, घनंजय यादव, रणजीत सिंह, ब्रह्मादेव यादव, वबूल सिंह, लालू यादव मौजूद थे।

**स्मार्ट मीटर की अत्यधिक बिलिंग को लेकर उपभोक्ताओं ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा**

कोडरमा (आजाद सिपाही)। विद्युत विभाग के द्वारा उपभोक्ताओं की सूचिया के लिए जिले में स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है, लेकिन स्मार्ट मीटर की बिलिंग पर उन रेंज से अब यह लोगों के लिए मुसीबत कुमार यादव के नेतृत्व में जगदीश्वर प्रखंड के कई विद्युत उपभोक्ता उपायुक्त कोडरमा से मिलकर स्मार्ट मीटर के बिलिंग में हो रहे भारी गड़बड़ी की शिकायत करने पहुंचे। ग्रामीणों ने डीसी को ज्ञापन सौंपे हुए बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद से विद्युत उपभोक्ता अनिवार्यता ने अवधारणा की अवधारणा को गमीर बताते हुए उपायुक्त से अविवादित जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि गर्वव और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के नाम पर लटा जा रहा है, जिससे जांचकारण बढ़ावा जा रहा है।

**खरीफ कार्यशाला का आयोजन**

सतगांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड गुरुवार को ब्लॉक परिसर रिस्थित आमा कार्यालय में खरीफ कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपस्थित प्रभारी और श्रीवामीत नियमित संचालन के बारे में जांचकारी दी गयी और होने वाले रोगों एवं बचाव के बारे में जांचकारी दी गयी। मौके पर बीटीएम असरविंद पांडेय, किसान मित्र राकेश रंजन, सुबोध कुमार सिंह, सुरेंद्र पांडेय, अनंत कुमार, मनेंद्र कुमार, जयराम विहारी, गोपी साव, पंकज कुमार, संजय पांडेय आदि उपस्थित थे।

**झारखंड प्रदेश बरनवाल वैश्य महासभा की बैठक संपन्न**

कोडरमा। झारखंड प्रदेश बरनवाल वैश्य महासभा महिला समिति की बैठक गैरू मूर्खी होल्ट में रखा गया। यह बैठक झारखंड प्रदेश बरनवाल वैश्य महासभा महिला समिति के अध्यक्ष योगाचार्य सुषमा सुमन के अंगर्वाई में हुई। अध्यक्ष प्रदेश महिला समिति की संरक्षक जयायी देवी ने वी की योगाचार्य सुषमा सुमन वे बचाव का बरनवाल महिला समिति झारखंड प्रदेश में महिलाओं पर हो रहा अत्यधारा, बेटी लोग के पढ़ने लिखने और शादी विवाह और लव जिलाद और कम उम्र में ही आत्महत्या करना, मां पिता को सम्मान ना देना, समाज में वी परेशनियां आ रही हैं यह बहुत दूख की बात है। जो परिवार समाज में नहीं बैठते हैं वर्धमान की जांच करती है वी नहीं जुटते हैं संस्करण अच्छे ढंग से देते हैं, इसी बायोंग से परेशनियां समाज में बहुत ज्यादा आती हैं। इन सब मुद्दों के लेकर झारखंड प्रदेश में बरनवाल महिला समिति का एक महा सम्मेलन होगा, जिसमें सभी जिला के प्रभारी लोग आएंगे। महासभमेलन का समय तय हुआ है 24 अगस्त दिन रविवार 10:30 बजे झुमरी तिलिया शुगर बैंचर्कट होल्ट में। संस्करण कायाकी देवी, सचिव संगीत देवी और कोषाधक्ष पुष्पा देवी, जिला महिला प्रभारी लाल्ही देवी ने महासभमेलन को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के व्यवस्थापक योग गुरु प्रदीप कुमार समन और पल्लव कुमार बरनवाल होंगे। बैठक में झारखंड प्रांत बरनवाल वैश्य महासभा महिला अध्यक्ष योगाचार्य सुषमा सुमन, संरक्षक गयायी देवी, संगीता देवी, पुष्पा देवी, लक्ष्मी राजनीतिक योगदान को याद

# मनरेगा घोटाला: बिना कृप निर्माण के निकाले रूपये

बीड़ीओ ने पांच लोगों से वसूली के आदेश जारी किये, एक-एक हजार का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता



चलकुशा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के मनरेगा पंचायत अंतर्गत बनगावा गांव में मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत विरसा सिंचाई कृप निर्माण में भारी गड़बड़ी का मामला उजागर हुआ है। इस संबंध में ग्राम निवासी संघर्ष विकास पदाधिकारी (बीड़ीओ) अमृता सिंह को लिखित आवेदन देकर शिकायत की थी।

शिकायत में संवादों के बावजूद चपेट में आने से हीरामन महातो के एक मवेशी की मौत हो गयी। इस घटना के बाद से गांव में बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर आक्रमण है। बीड़ीओ मात्र नहीं बताया कि उनके परिवार की इसी मवेशी पर निर्भर थी, इसीले मात्र उन्हें भारी अर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया।

**ब्रह्माकुमारी बहनों ने पीड़िजे और अन्य लोगों को रक्षा सूत्र बांधे**

कोडरमा (आजाद सिपाही)। ब्रह्माकुमारीजन संस्थान सहाना रोड, बड़कागांव के द्वारा ब्रह्माकुमारी बहनों ने प्रधान जिला एवं सत्र व्यायामीश कोडरमा बालकृष्ण तिवारी के आवास पर पहुंचकर रक्षाबंधन कार्यक्रम मनाया एवं उनके कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर एवं आम स्मृति का स्मृति चिन्ह भी भंट किया। मौके पर दंडाविधि शुरू करने का अनियन्त्रित सुनील, डोमचांव थाना प्रभारी और प्रमात्रकर्ता बीड़ीओ भोला पांडे, महामंडलेश्वर सुखेंद्र महात, समाजसेवी बबूल वैधिरी, मेजर विधान, पुलिस, डॉ रमन, डॉ गणेश, मनीष को भी रक्षा सूत्र कलाई पर बांधकर दीर्घार्थी होने की परमात्मा से भवाना रखा। उपस्थित सभी लोगों को इश्वरीय प्रसाद और परमात्मा का स्मृति चिन्ह भंट किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वी के अनीता दीपी, वी के आरती बहन, वीके संजय भाई भी के बेटी दीपी गति उपस्थित हैं।

**प्रखंड विकास पदाधिकारी का औचक निरीक्षण**

मरकचो (आजाद सिपाही)। ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण दिवस पर आंगनबाड़ी के तिलिक एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी का स्मृति चिन्ह भी भंट किया। मौके पर दंडाविधि शुरू करने का अनियन्त्रित सुनील, डोमचांव थाना प्रभारी और प्रमात्रकर्ता बीड़ीओ भोला पांडे, महामंडलेश्वर सुखेंद्र महात, समाजसेवी बबूल वैधिरी पर निर्भर थे।

**परियोजना बालिका उच्च विद्यालय बरकटा में शिक्षकों की कमी से शिक्षा व्यवस्था बदलाव**

विश्यावार शिक्षकों के अनेक ने करीब 500 छात्रों का निवारण अपैरेटर में

प्रखंड विद्यालय बरकटा के बालिका उच्च विद्यालय बरकटा में शिक्षकों के नियुक्ति की कमी जिला

शिक्षा पदाधिकारी से किया

आजाद सिपाही संवाददाता

बरकटा। प्रखंड के परियोजना विद्यालिका उच्च व

# रामगढ़/चतरा

पीटीपीएस न्यू मार्केट में मोबाइल दुकान में चोरी पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू थाना अंतर्गत पीटीपीएस न्यू मार्केट रित्यत आदित्य मोबाइल शॉप में बीती रात चोरों ने दुकान से कई नये मोबाइल, रिपेयरिंग के लिए आये पुराने मोबाइल, मोबाइल वार्जर समेत नगदी लेकर फरार हो गए। सुबह जब दुकानदार ने दुकान का शरद खोला तो सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था व दर्जनों मोबाइल गारब मिले। चोरी की जानकारी पुलिस को मिलने के बाद मौके पर पहुंची और चुनौती शुरू कर दी है। दुकानदार आदित्य कुमार ने बताया कि मोबाइल के साथ-साथ ग्राहकों के रिपेयरिंग वाले मोबाइल भी चोरी हुई हैं, जिससे उसे काफी अर्थात् नुकसान हुआ है।

## कल मनायी जायेगी रिस्जुनाथ घौड़री की पुण्यतिथि



पतरातू (आजाद सिपाही)। बैठकांगवं विस के विधायक रोशन लाल घौड़री के पीटीपीएस रित्यत आवासीय कार्यालय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिप सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राजा राम प्रजापति और संचालन विधायक कार्यालय के प्रभारी चंदन कुमार ने की। मौके पर बैठक में कहा गया कि 9 अगस्त को क्षेत्र के समाजसेवी स्व० रिस्जुनाथ घौड़री की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी हम सभी श्रद्धा सुनन अर्पित करेंगे। और इस उपलक्ष्य में धृत रसर पर पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जायेगा। बैठक के माध्यम से क्षेत्र की जनता, बुजुर्गी, समाजसेवी तथा सभी वर्गों के लोगों से निवेदन किया गया है कि 9 अगस्त को प्रातः 9 बजे विधायक रोशन लाल घौड़री के पीटीपीएस रित्यत आवासीय कार्यालय में होने वाले कार्यक्रम में सम्मिलित हो कर ब्राह्मजलि अर्पित करे साथ ही पौधा ले जा कर पौधरोपण भी करें। बैठक में हेसलां पांचवां शुभिया प्रीति ज्ञा, किशोर महतो, पूर्व मुखिया बीरेंद्र ज्ञा, गणेश करमाली, गणेश ठाकुर, बिनोद यादव सहित अन्य लोग मौजूद।

## दिशोम गुरु ने हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की ताकत दी : दशई मांझी



उरीमारी (आजाद सिपाही)। सिदो-कानून घौक वेक पोस्ट रित्यत आदिवासी छात्र संघ कार्यालय में गुरुवार को विस्थापित नेता दशई माझी के नेतृत्व में ज्ञारखंड अंदोलन के संस्थापक सह सरकार ज्ञारखंडी अस्मिता और जन आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिशु सोरेन के निधन के बाद ब्राह्मजलि दी गयी। साथ ही दो मिनट का मौन ध्यान रख्या घौक व्यक्त किया। इस अवसर पर विस्थापित नेता दशई माझी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दिशोम गुरु केवल एक राजनीतिक नेता नहीं बल्कि आदिवासी, मूलवासी को सुदूर्खोर, महाजनों के सोशेण सुन्ति दिलाने के लिए लम्हे समय तक संर्ख्य किये और हमें संघर्ष की राह दिखाई, अन्याय के दिरुद्ध खड़े होने की ताकत दी और आत्मसमान से जीने की प्रेरणा दी। उहोंने ज्ञारखंड को अलग राज्य बनाने में एंतिहासिक भूमिका निभायी वह सदैव गति किया जायेगा। साथ ही भारत सरकार से विशेष गुरु शिशु सोरेन का भारत रन देने की मांग की। शोक व्यक्त करने वालों में कार्यकर्ता माझी, सुखु माझी, कुण्ठा सोरेन, तालो हांसदा, मनोज सिंह, शिकारी दुष्ट, परमेश्वर सोरेन, सिक्कर सोरेन, बिनोद सोरेन, सुवित राम किरकू, सुखदेव किरकू, सोराम पवरिया, अनिल मुर्मु, सुरेश प्रजापति, सुरेंद्र करमाली समेत कई लोग मौजूद रहे।

## विधायक ममता देवी ने डीवीसी घौक का नामकरण शिशु सोरेन घौक करने की रखी मांग



गोला (आजाद सिपाही)। गोला डीवीसी घौक को स्मृति शेष शिशु सोरेन के नाम से जाना जायेगा। इसको लेकर विधायक ममता देवी ने नेमरा में मुख्य मंत्री हमंत सोरेन से मिलकर इस बात की जानकारी दी। इसपर मुख्य मंत्री ने कहा कि यह कोई पूछने वाली बात है। बताया गया कि शिशु सोरेन का ज्ञारखंड अंदोलन के द्वारा नाम घौक का डीवीसी घौक प्रमुख अद्वा रहा है। घौक के पास गोला-मुखी रोड में पुलिया माझी विशु महतो के साथ ही हो रहे अन्याय के खिलाफ आयोजित उहोंने राजनीति शुरूआत की। आंदोलनकारी शिशु सोरेन कई बार वेश बदलकर यहां पहुंचे। इसी घौक पर पीपल पेड़ के नीचे ग्रामीणों के साथ उनका दर रात तक बैठक होता था। बताया गया कि उनके यहां आने का इंतजार लोग करते थे। जब वे यहां मोर्टरासाइकिल या जीप से पहुंचते थे, तो ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान देहीं पर बैठीओं, सीडों और थाने को तुलाकर करते थे। डीवीसी घौक पर पीपल पेड़ के नीचे ग्रामीणों के साथ उनका दर रात तक बैठक होता था। बताया गया कि उनके यहां आने का इंतजार लोग करते थे। जब वे यहां मोर्टरासाइकिल या जीप से पहुंचते थे, तो ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान देहीं पर बैठीओं, सीडों और थाने को तुलाकर करते थे। डीवीसी घौक का नाम देवी ने डीवीसी घौक का नाम होना गोला के लोगों लिए गई की बात है। स्मृति शेष शिशु सोरेन के निधन के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने डीवीसी घौक को शिशु सोरेन घौक की मांग की। इसके बाद यह बात काफी तेजी से आगे बढ़ा। बताया गया कि बहुत जल्द इस घौक का नामकरण होगा। पत्रकार मनोज मिश्र, ललकिशोर महतो, अंजनी कुमार, जेएकेएम नेता शशदेव महतो, लालू, चंद्र पोद्दार, निहार रंजन, जयप्रकाश महतो, पूर्व मुखिया बुजरंग कुमार महतो, अखिलेश महतो, बुजरंग कुशवाहा, दिलीप क रमाली, सुलीम महतो आदि ने नामकरण करने की मांग की है।

## यूसीडल्लूयू कार्यालय में शिशु सोरेन को दी श्रद्धांजलि

उरीमारी (आजाद सिपाही)। सिदो-कानून घौक वेक पोस्ट रित्यत यूनाइटेड कोल वर्सी यूनियन कार्यालय में गुरुवार को दिशोम गुरु शिशु सोरेन के निधन पर स्वयं देव यूनियन कार्यालय में गुरुवार को विस्थापित नेता दशई माझी के अवसर पर यूनियन के बाब्य रूप से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वीरी विधायक बैठिया ने शोक व्यक्त कर कहा कि ज्ञारखंड अलग राज्य बनाने में दिशोम गुरु शिशु सोरेन का अहम भूमिका निभायी। उहोंने द्वारा किये गये कार्यों को हम कभी भूला नहीं सकते। शोक व्यक्त करने वालों में बाहुदारी, संजय कुमार, विनोद कुमार, संजय शशि भूषण सिंह, डीपी महेता, हरनाथ पासवान, महावीर माझी, सीतीराम किरकू, रामविलास यादव, रामाकांत दुबे, सुरेश पासवान, उपेंद्र पासवान, जगदंश प्रसाद, मोरीलाल गंगू, संजय कुमार, राजेंद्र प्रसाद, दर्वज, शकर प्रसाद, नरेंद्र प्रताप, बद्रुदीन आदि मौजूद थे।

## 'भारतीय गौरव सम्मान' से सम्मानित होंगे विक्रांत

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था के संस्थापक विक्रांत गुप्ता को उनके उल्लेखनीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदानों के लिए 'भारतीय गौरव सम्मान 2025' से सम्मानित किया जायेगा। यह सम्मान समारोह 17 अगस्त को संविधान बालव, रफी मार्ग दिल्ली में आयोजित किया जायेगा। वहां चले कि विक्रांत गुप्ता के सामाजिक एवं आर्थिक योगदानों के लिए उल्लेखनीय गौरव सम्मान हुआ है।

## प्रेस क्लब रामगढ़ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

### झारखंड ने खोये दो लाल, दिलों में रहेंगे हरिनगरायण सिंह और शिशु सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। स्व हरि नारायण सिंह और दिशोम गुरु शिशु सोरेन के आयोजक निधन पर यूनिवरिटी के प्रेस क्लब रामगढ़ परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दैरान उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रख्या इश्वर से दिवंगत आत्मा की शारीरिक प्रार्थना की गई। सभा का संचालन कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम ने किया।



समर्पित कर दिया। उहोंने कहा कि ज्ञारखंड अंदोलन के समय दिशोम गुरु शिशु सोरेन लड़ाई लड़े थे, उसी समय स्व हरि नारायण सिंह द्वारा आवाज की आवाज को बुलंद करते रहे।

हम सभी के आदर्श थे स्व हरि नारायण सिंह : धरेश्वर प्रसाद

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया। उहोंने कहा कि ज्ञारखंड को सैकड़ों कलाम के लिए ज्ञारखंड आवाज को बुलंद करते रहे।

सचिव धरेश्वर प्रसाद ने कहा कि स्व हरिनगरायण सिंह हम सभी के आदर्श थे, उनका असमय जाना पत्रकार का जात के लिए अपूर्णीय क्षमता है।

मौके पर सहस्रचिव व्यास शर्मा, कार्यकर्तारिणी सदस्य शंकर के लिए अपूर्णीय क्षमता है।

मौके पर सहस्रचिव व्यास शर्मा ने कहा कि ज्ञारखंड को बुलंद करते रहे।

ज्ञारखंड को सैकड़ों कलाम के लिए ज्ञारखंड आवाज को बुलंद करते रहे।

ज्ञारखंड को सैकड़ों कलाम के लिए ज्ञारखंड आवाज को बुलंद करते रहे।

ज्ञारखंड को सैकड़ों कलाम के लिए ज्ञारखंड आवाज को बुलंद करते रहे।

ज्ञारखंड को सैकड़ों कलाम के लिए ज्ञारखंड आवाज को बुलंद करते रहे।

ज्ञारखंड को सैकड़ों कलाम के लिए ज्ञारखंड आवाज को बुलंद करते रहे।

ज्ञारखंड को सैकड़ों कलाम के लिए ज्ञारखंड आवाज को बुलंद करते रहे।

ज्ञारखंड को सैकड़ों कलाम के लिए ज्ञारखंड आवाज को बुलंद करते

# संपादकीय

## एसआइआर पर संसद में हंगामा

**बि** हार में वोटर लिस्ट रिवोजन पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में सरकार और विषय के बीच गतिरोध बना हुआ है। कोई भी पक्ष द्वाकरे को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हांगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियाँ आम हो गयी हैं।

**नियमों का टकराव :** विषय चाहता है कि सरकार Special Intensive Revision यारी एसआइआर पर चर्चा कराये। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्थान तंत्र है और मानवा सुधारी कार्ट में लिखित है। इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जबाब में, राज्यसभा में विषय के नेता मलिलकार्जुन खड़गे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सबाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाये गये हैं, न कि कामकाज ठप कराने के लिए।

### विवादों में प्रक्रिया :

मॉनसून सत्र शुरू होने के पहले ही अदाजा था कि एसआइआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विषयकी अपील आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं।

आधार और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। आधार और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। आधार और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। आधार और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं।

मॉनसून सत्र शुरू होने के पहले ही अदाजा था कि एसआइआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विषयकी अपील आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं।

1967 में, विलियम और पॉल पैटेंक ने भारत में अकाल की भवित्ववाली की थी। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

सरकार करे पहल : खैर, चुनाव आयोग एसआइआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी यह समझा है। वहीं, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विषय के बीच गतिरोध बना हुआ है, तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा, ताकि संसद का कामकाज सुचारू रूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार को होती है। उसे अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

## अभियान आजाद सिपाही

अनुमान है कि 2047 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जायेगी- जिसमें से आधी आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। इस बदलाव से खाद्यान्धि की कुल मांग दोगुनी हो जायेगी, फलों, सब्जियों और पशु-आधारित खाद्य पदार्थों की मांग तिगुनी होने की उम्मीद है, जबकि अनाज की मांग दिथर रहेगी, जिससे अधिकैष की स्थिति बनी रहेगी।

# भारत में कृषि क्रांति तेज गति से जारी



शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, निरंतर सुधारों और क्रियान्वयन के द्वारा कारण कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है और देश ने धान, गेहूं, मक्का, मूँगफली और सोयाबीन का रिकॉर्ड उत्पादन किया है।

कृषि वर्ष 2024-25 के लिए प्रमुख कृषि



प्रियंका गांधी

फसल उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2024-25 में कुल खाद्यान्धि उत्पादन 353.96 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो अब तक का सबसे अधिक खाद्यान्धि उत्पादन होगा और वर्ष 2014-15 (252.02 मिलियन टन) की तुलना में वह 40 प्रतिशत अधिक होगा।

1960 के दशक से पहले की जड़ता और खाद्य असुरक्षा को पीछे छोड़ते हुए आज भारतीय कृषि खाद्य अधिकैष प्राप्त करने की स्थिति में आग लगी है, जिससे मालव्यस की यह धारणा गलत साबित होती है कि जनसंख्या वृद्धि, खाद्य उत्पादन की तुलना में अधिक हो जायेगी।

1967 के दशक में कृषि विविधी के बीच, आधार और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

2014-15 और 2023-24 के बीच, पशु-योगी से प्राप्त खाद्य के उत्पादन में अनुरूप वृद्धि देखी गयी।

उच्च उपज वाले चावल और गेहूं की किसियों, कृषि सरायों और सिंचाई से प्राप्त खाद्य के उत्पादन को 2024-25 तक 19.5 मिलियन टन कर दिया, जिससे भारत दूसरा सबसे बड़ा समुदाय बना गया।

1967 के दशक में कृषि विविधी के बीच, आधार और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ था कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहार के लिए करें।

भारत के देवर्याम और वोटर कार्ड को मान्य दृष्टिकोण से लिए गये हैं। उनका दावा था कि देश अपील बढ़ावी का अवादी का पेट नहीं भर पायेगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तक दिया था, क्योंकि उन्हें डॉ













# संभल जैसी सच्चाई छिपानेवालों को ऐसा सबक सिखायेंगे कि आनेवाली पीढ़ी करेगी याद : योगी

आजाद सिपाही संवाददाता

संभल। भगवान कल्पि और भगवान हरिहर की भूमि संभल है। भगवान विष्णु का दसवां अवतार संभल में होगा। इसका उल्लेख पुराणों में मिलता है। कुछ लोगों को यह विवाहित लगता है, लेकिन उनकी परंपरा में ही विवाह नजर आता है, लेकिन यह विवाह का नहीं है, तो संभल की चर्चा जब होती है, तो दुनिया का ध्यान संभल पर आकर्षित होता है।

सीएम ने जनसभा से पहले 658.86 करोड़ की 220 परियोजनाओं का लोकार्पण और स्थानान्वयन का विवाह। इसमें दीपम कार्यालय और एकीकृत आवासीय भवन पर 155.1 करोड़ रुपये खर्च होंगे। गुरुवार की सुबह 10.25 बजे सीएम का हेलिकॉप्टर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। सीएम ने पूजा-अन्वयन की ओर इसके बाद वह 11.15 बजे मंच पर पहुंचे, जहां मंच पर बैठे भाजपा के नेता एवं मंडलालुक आंजनेय कुमार सिंह ने उनका स्वागत किया। सीएम ने कहा कि



## रक्षावंधन पर बहनों को मुफ्त सफर

योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 9 अगस्त को रक्षावंधन का पर्व है। सभी बहनों को पूरे प्रदेश में मुफ्त यात्रा करायी जायेगी। सहयोगी भी मुफ्त सफर करेगा। सरकार बहनों के लिए यह विर्या लिया है।

## श्रावणी मेला में 5295766 श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण : डीसी

● उपायुक्त ने बताया, बाबा मंटिर से श्रावणी मेले में 7,36,44,295 लोगों की आय प्राप्त हुई



आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा और पुलिस अधीक्षक अंजित पीटर डुग्डुंग की संयुक्त अध्यक्षता में गुरुवार को अस्सेल स्ट्रिंग सेंटर में राजकीय श्रावणी मेला से संबोधित चौथी सापाहिक रेसवार्टों की गयी। इस दैवती को पैके पर उपायुक्त ने सभी मीटिंग संस्थानों का सहयोग हेतु आधार प्रकरण किया। उपायुक्त ने जानकारी दी कि संपूर्ण मेला क्षेत्र में कुल 564 मजिस्ट्रेट व पदाधिकारियों के अलावा 9650 पुलिस बल की संख्या में अन्य स्त्रों से आय भी शामिल है। साथ ही मंदिर दान काउंटर से चांदी का सिवका 10 ग्राम का 816 अदद बिक्री की गयी एवं शीघ्रदर्शनम कूपन से प्राप्त आय 60 प्रियेश 5,89,10,400 रुपये के अन्य लोगों का आय 7,36,44,295 रुपये के अन्य स्त्रों से आय भी शामिल है। साथ ही मंदिर दान काउंटर से चांदी का सिवका 1 पीस एवं शीघ्रदर्शनम कूपन से प्राप्त आय 17,23,000 रुपये नेपाली पैसा शामिल है। वहीं संपूर्ण मेला क्षेत्र में प्रतिवहन विभाग द्वारा निविधित व्यवसायिक वाहनों से राज्य प्रवेश शुल्क के रूप में 2,03,77,775 रुपये एवं वाणिज्य कर वस्तुओं से 953.75 लाख रुपये की प्राप्ति हुई है। इसके अलावा सुचना एवं शीघ्रदर्शनम कूपन से प्राप्त आय 60 प्रियेश 5,89,10,400 रुपये के अन्य लोगों का आय 7,36,44,295 रुपये के अन्य स्त्रों से आय भी शामिल है। साथ ही मंदिर दान काउंटर से चांदी का सिवका 10 ग्राम का 816 अदद बिक्री की गयी एवं शीघ्रदर्शनम कूपन से प्राप्त आय 60 प्रियेश 5,89,10,400 रुपये के अन्य लोगों का आय 7,36,44,295 रुपये के अन्य स्त्रों से आय भी शामिल है। अग्रणी मेला में 101 स्थानों पर आवासन की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। मेला में कार्यरत कुल 52,95,766 कार्यरियों ने बाबा मंटिर को संख्या 26 एवं जीप एकी लोगों की खुराक पिलायी गयी एवं 198552 मरीजों का इलाज किया गया।

उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि श्रावणी मेला में 11 जुलाई से 5 अगस्त तक कुल 1,98,552 श्रद्धालुओं का इलाज किया गया है। साथ ही परिवहन विभाग द्वारा निविधित व्यवसायिक वाहनों से राज्य प्रवेश शुल्क के रूप में 2,03,77,775 रुपये एवं वाणिज्य कर वस्तुओं से 953.75 लाख रुपये की प्राप्ति हुई है। नगर निगम द्वारा कुल 40,51,200 रुपये का राजस्व का संग्रहण किया गया है। इसके अलावा सुचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा मेला क्षेत्र में 31 सूचना केंद्र बनाये गये हैं, जहां 86,286 खेंगे-पाये कार्यरियों को निविधित किया गया है, जिनमें से 66066 अंकितों को उनके परिजनों से मिलाया गया है। साथ ही सूचना केंद्रों में कुल 192,3 वाइक उद्योगक, 2 टोटो की प्रतिनियुक्ति के अलावा 6 सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंच बनाया गया है। वहीं संपूर्ण मेला क्षेत्र में व्यवसायुक्ति के अवगत कराया जाएगी। प्रेसवार्तमें मंदिर प्रधारी सह अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी अदृष्ट उपस्थित थे। वहां रोजाना 15-17 हजार एवं बाह्यमरा टेंट सीढ़ी में 350 बेड की क्षमता के अलावा आधार्यिक भवन में 10,000 श्रद्धालुओं के आवासन की व्यवस्था की गयी है। उपायुक्त कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेला क्षेत्र में 34 अस्थाई स्वास्थ्य

केंद्र लगाये गये हैं एवं इन स्वास्थ्य केंद्रों में 11 जुलाई से 5 अगस्त तक कुल 1,98,552 श्रद्धालुओं का इलाज किया गया है। साथ ही परिवहन विभाग द्वारा निविधित व्यवसायिक वाहनों से राज्य प्रवेश शुल्क के रूप में 2,03,77,775 रुपये एवं वाणिज्य कर वस्तुओं से 953.75 लाख रुपये की प्राप्ति हुई है। इसके अलावा सुचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा मेला क्षेत्र में 31 सूचना केंद्र बनाये गये हैं, जहां 86,286 खेंगे-पाये कार्यरियों को निविधित किया गया है, जिनमें से 66066 अंकितों को उनके परिजनों से मिलाया गया है। साथ ही सूचना केंद्रों में कुल 192,3 वाइक उद्योगक, 2 टोटो की प्रतिनियुक्ति के अलावा 6 सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंच बनाया गया है। वहीं संपूर्ण मेला क्षेत्र में व्यवसायुक्ति के अवगत कराया जाएगी। प्रेसवार्तमें मंदिर प्रधारी सह अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी अदृष्ट उपस्थित थे। वहां रोजाना 15-17 हजार एवं बाह्यमरा टेंट सीढ़ी में 350 बेड की क्षमता के अलावा आधार्यिक भवन में 10,000 श्रद्धालुओं के आवासन की व्यवस्था की गयी है। उपायुक्त कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेला क्षेत्र में 34 अस्थाई स्वास्थ्य



**J.K. SALES**

Pillar No. 83, In Between O.T.C. Ground & Piska More, Ratu Road, Beside M-Bazar, Lakdi Tall, Ranchi

श्रीमद्भागवत महापुराण 5000

वर्ष पहले रची गयी थी। स्कृद युगान और विष्णु पुराण में उल्लेख है कि भगवान कल्पि का अवतार संभल में होगा। अलग-अलग नाम से इस धार्मिक नारी को पुकारा गया। आगे कहा कि संभल में 68 तीर्थों विकास हो सकता है तो संभल में 19 कूप थे। परिक्रमा का मार्ग था। विदेशी आक्रमणों के तीर्थों को नहीं हो सकता। सरकार विकास कराना जरूरी है। सीएम ने कहा कि काशी और आवोद्धा में विकास हो सकता है तो संभल में 19 कूप थे। परिक्रमा का मार्ग था। काशी और कारायी जायेंगे। सभी योजनाओं का लाभ दिया जायेगा। आगे कहा कि काशी और आवोद्धा में 19 कूप थे। परिक्रमा के अवधारणा में 19 कूप थे।

सहयोग किया जाता है।

सीएम ने कहा कि अब हमारी डबल इंजन की सरकार इन तीर्थों में अवतार का उदाहरण दिलाया। इसलिए विकास कराना जरूरी है। सीएम ने कहा कि काशी और आवोद्धा में विकास हो सकता है तो संभल में 19 कूप थे। परिक्रमा का मार्ग था। विदेशी आक्रमणों के तीर्थों को नहीं हो सकता। सरकार विकास कराना जरूरी है। सीएम ने कहा कि काशी और आवोद्धा में 19 कूप थे। परिक्रमा के अवधारणा में 19 कूप थे।

श्रव को 5 किमी तक

खटिया पर ढोना पड़ा



आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के विष्णुधार प्रथम छंड में बृन्दावनी सुविधाओं के बाद कोई भी वापस नहीं आता। वर्ष क्रम से विकास कराना जाता है।

600 अदिवासी परिवार रहते हैं : बीमार व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाना या बच्चों का स्कूल जाना असंभव हो जाता है। अदिवासी नेता रमेश हेंड्रेम के अनुसार, इन क्षेत्रों में लगभग 600 अदिवासी परिवार रहते हैं। ये परिवार ताकों से सेवाओं से लाभ लाया गया। गुरुवार का शिरिंगांड ग्राम जूलाई को कानीकांडा में हुई थी। बारिश के कारण नाला उफान पर था और गारसे की शिरिंगांड ग्राम जूलाई को नाला उपर था। एंबुलेंस शव को गांव से लगभग पांच किलोमीटर पहले ही छोड़ गयी। परिवार के अंतर्गत घटनालाल पर ग्राम जूलाई को नाला उपर था। एंबुलेंस को नाला उपर था। एंबुलेंस शव को गांव से लगभग पांच किलोमीटर पहले ही छोड़ गयी।

विष्णुद्वारा बीड़ीओं अधिवेश कुमार के नाला जाना से गांव में आया है। चूंकि वन विवाह के असंभव हो जाता है। अदिवासी नेता रमेश हेंड्रेम के अनुसार, इन क्षेत्रों में लगभग 600 अदिवासी परिवार